Maharshi Dayanand University, Rohtak
Department of Hindi
M.Phil/Ph.D. Course Work w.e.f. (2020-21)
HNDMP

Programme Specific Outcomes

PSO 1. एम॰फिल्॰ का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को वैचारिक दृष्टि से सूक्ष्म अध्ययन की दिशा में प्रेरित करता है।

PSO 2. 'शोध–प्रविधि' में निर्धारित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को शोध के सभी पक्षों को हृदयंगम करने के लिए प्रेरित करता है। इस सैद्धान्तिक पक्ष का पूर्ण निदर्शन हमें विद्यार्थियों द्वारा लिखी गयी शोध–प्रबन्धिका में दिखलायी पड़ता है। विद्यार्थियों को क्षेत्र और दृष्टि के आधार पर नवीनतम विषयों पर शोध–कार्य करने के लिए अनुप्रेरित करना ही पाठ्यक्रम की उपलब्धि है।

PSO 3. 'काव्यशास्त्र' के पाठ्यक्रम के माध्यम से पाश्चात्य एवं भारतीय आचार्यों की सूक्ष्म सैद्धान्तिक दृष्टि पर विचार किया जाता है। विद्यार्थियों की भारतीय जीवन दृष्टि को परिपक्व बनाने के लिए अद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद आदि के साथ–साथ पाश्चात्य जीवन दृष्टियों मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, संरचनावाद, अस्तित्ववाद आदि पर विचार किया जाता है।

PSO 4. स्त्री विमर्श के प्रश्न पत्र में स्त्री अस्मिता, स्त्री–प्रश्न, स्त्री के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण आदि पर विचार किया गया है।

PSO 5. 'हिन्दी आलोचना' के पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को समीक्षा की विभिन्न पद्धतियों से परिचित करवा कर कृतियों की व्यवहारिक समीक्षा में पारंगत किया जाता है।

Maharshi Dayanand University, Rohtak

Department of Hindi

Scheme of Examination for **M.Phil 1st Semester/ Ph.D. Course Work**

Sr. No.	Paper Code	Nomenclature	Theory Marks	Internal Assessment	Total Marks	Credit			Credit Total	Exam Time
						L	T	P		
1	20HNDMP11C1	शोध प्रविधि और प्रक्रिया	80	20	100	4	0	0	4	3 Hr.
2	20HNDMP11C2	साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन	80	20	100	4	0	0	4	3 Hr.
3	20HNDMP11C3	स्त्री विमर्श	80	20	100	4	0	0	4	3 Hr.
4	20MPCC1	Research and Publications Ethics	40	10	50	2	0	0	2	2 Hr.
				Total	**350**				**14**	

Scheme of Examination for **M.Phil 2nd Semester**

Sr. No.	Paper Code	Nomenclature	Theory Marks	Internal Assessment	Total Marks	Credit			Credit Total	Exam Time
						L	T	P		
1	20HNDMP12C1	हिंदी–आलोचना	40	10	50	2	0	0	2	2 Hr.
2	20HNDMP12C2	हिंदी साहित्य की वैचारिक पीठिका	80	20	100	4	0	0	4	3 Hr.
3	20HNDMP12C3	लघु शोध प्रबन्ध			200	8			8	
				Total	**350**				**14**	
				Grand Total	**700**				**28**	

Head, Dept. of Hindi

एम॰ फिल॰ हिंदी : प्रथम सेमेस्टर/पीएच॰डी॰ कोर्स वर्क

प्रथम प्रश्न पत्र

शोध–प्रविधि और प्रक्रिया

20HNDMP11C1 **क्रेडिट : 4**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. इस प्रश्न–पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को शोध के प्रकार, शैली एवं विधि से परिचित करवाकर शोध–क्षेत्र में प्रवृत्त करना है।

CO 2. एम॰फिल॰ एवं पीएच॰डी॰ कोर्स वर्क के विद्यार्थियों को शोध की प्रविधि से परिचित करवाया जाता है। शोध क्षेत्र और शोध दृष्टि के विभिन्न प्रकारों से भिज्ञ करवाया जाता है।

CO 3. अन्तरविद्यावर्ती शोध के माध्यम से हिन्दी से अलग दृष्टियों तथा मनोविज्ञान, समाजविज्ञान, अर्थशास्त्र आदि से भी परिचित करवाया जाता है। शोध और आलोचना के अन्तर्गत दोनों के मध्य की सूक्ष्म दृष्टि को शोधकों के समक्ष रखा जाता है।

CO 4. शोधकों को शोध के लिए आवश्यक तर्क, प्रमाण, सन्दर्भोल्लेख, सन्दर्भ ग्रंथ सूची आदि की महत्ता से परिचित करवाया जाता है।

खण्ड क

शोध का स्वरूप : सैद्धान्तिक पक्ष

शोध : व्युत्पत्ति, परिभाषा और स्वरूप

शोध : तत्त्व, क्षेत्र, दृष्टि, पद्धति, उपस्थापन

शोध के प्रयोजन

शोध और आलोचना

शोध के प्रकार

- साहित्यिक शोध
- अन्तरविद्यावर्ती शोध (मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, सौन्दर्यशास्त्रीय एवं भाषा शास्त्रीय शोध)
- लोक साहित्यिक शोध
- तुलनात्मक शोध

खण्ड ख

विषय–चयन तथा शोध–विधि

विषय–चयन : सर्वेक्षण, समालोचन एवं निर्धारण

शोध–क्षेत्र तथा शोध–दृष्टि के आधार पर विषयों के प्रकार

रूपरेखा निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति

सामग्री संकलन–विभिन्न पद्धतियाँ (हस्तलेखों का संकलन, प्रश्नावली, साक्षात्कार आदि)

संकलित सामग्री की उपयोग विधि

खण्ड ग

विषय–प्रतिपादन की पद्धति

सामग्री का विभाजन तथा संयोजन (अध्याय, उपशीर्षक और अनुपात)

तर्क–पद्धति, निरूपण तथा तत्त्वान्वेषण

प्रामाणिकता : अन्तःसाक्ष्य तथा बहिःसाक्ष्य

उद्धरण तथा सन्दर्भोल्लेख (पाद टिप्पणी लेखन)

भूमिका, उपसंहार लेखन

परिशिष्ट (अतिरिक्त आवश्यक सूचनात्मक सामग्री)

- क संदर्भ ग्रंथ सूची
- ख पत्र–व्यवहार और अन्य उल्लेख
- ग विषयों, नामों की अनुक्रमणिका, अन्य सामग्री (चित्र–स्केच) आदि प्रस्तुत करने की विधियाँ

खण्ड घ

हिंदी कंप्यूटिंग

कंप्यूटर : परिचय और महत्व
कंप्यूटर : संरचनात्मक स्वरूप
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय
इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्रा
इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय
इंटरनेट : कार्य प्रणाली एवं सुविधाएँ
मशीनी अनुवाद

सहायक ग्रंथ

1 साहित्यिक शोध के आयाम–डॉ॰ शशि भूषण सिंहल, आर्य बुक डिपो, करोल बाग, नई दिल्ली ।
2 शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि–डॉ॰ बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन ऑफ इण्डिया लिमि॰ दिल्ली ।
3 संभावना पत्रिका (शोध विशेषांक) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र ।
4 अनुसंधान–सत्येन्द्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।
5 शोध–प्रविधि, डॉ॰ विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
6 शोध–प्रविधि, डॉ॰ हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला ।
7 कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
8 कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।

निर्देश :

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खण्ड में से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को एक–एक प्रश्न करना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

2 आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किन्हीं दो निर्धारित विषयों पर आलेख एवं एक सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए 10–10 अंक निर्धारित हैं।

एम॰ फिल॰ हिंदी : प्रथम सेमेस्टर/पीएच॰डी॰ कोर्स वर्क

द्वितीय प्रश्न पत्र

साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन

20HNDMP11C2 **क्रेडिट : 4**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. साहित्य सिद्धांत साहित्य की प्रकृति का क्रमबद्ध अध्ययन एवं साहित्य के विश्लेषण की विधि है। वह विद्या या शास्त्र जिसमें रचनाओं के साहित्य पक्ष तथा स्वरूप पर शास्त्रीय ढ़ंग से विचार किया जाता है।

CO 2. भारतीय काव्यशास्त्र के अन्तर्गत भारतीय काव्यशास्त्र की महत्ता तथा उपादेयता को समझाना मूल उद्देश्य है।

CO 3. रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांतों की सैद्धांतिक अवधारणा, उनके विकास क्रम से परिचित करवाते हुए रचना के आस्वादन की सामाजिक–सांस्कृतिक एवं काव्यशास्त्रीय समझ पैदा करना ही पाठ्यक्रम का लक्ष्य है।

CO 4. इसी पाठ्यक्रम में पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सभी एवं उनके समीक्षा सिद्धांतों का अध्ययन करवाते हुए आलोचना की विविध प्रणालियों से विद्यार्थियों को परिचित करवाना जिससे विद्यार्थी रचना के कर्म को समझ कर साधारणीकरण की प्रक्रिया से सरलता से गुजरता है।

(क) विषय प्रवेश

साहित्यशास्त्र : स्वरूप, क्षेत्र और प्रयोजन

संस्कृत काव्यशास्त्र के विकास की रूपरेखां

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास की रूपरेखा

(ख) भारतीय साहित्य सिद्धान्त

रस सिद्धान्त का काव्यशास्त्र और मनोविज्ञानशास्त्र के संदर्भ में विवेचन

आधुनिक काव्य के संदर्भ में रस सिद्धान्त का मूल्यांकन

अलंकार सिद्धांत

ध्वनि सिद्धांत

रीति सिद्धांत

वक्रोक्ति सिद्धांत

औचित्य सिद्धांत

(ग) पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

- प्रेरणा सिद्धांत
- अनुकरण सिद्धांत
- औदात्य सिद्धांत

(घ)

- कल्पनावाद
- आभिजात्यवाद
- स्वच्छन्दतावाद
- अभिव्यंजनावाद

सहायक पुस्तकें

1 भारतीय काव्य–शास्त्र की भूमिका : सम्पादक डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

2 संस्कृत आलोचना–बलदेव उपाध्याय : प्रकाशन ब्यूरो, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश ।

3 साहित्य विज्ञान : डॉ॰ गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेन्दु प्रकाशन, दिल्ली ।

4 हिंदी काव्य शास्त्र में रस–सिद्धांत : डॉ॰ सच्चिदानन्द चौधरी, अनुसंधान प्रकाशन, दिल्ली ।

5 रस–सिद्धान्त : डॉ॰ नगेन्द्र, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

6 हिंदी काव्य शास्त्र में कविता का स्वरूप : विकास–डॉ॰ पुष्पा बंसल ।

7 रस–सिद्धान्त का पुनर्विवेचन : डॉ॰ गणपति चन्द्र गुप्त, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

8 पाश्चात्य काव्य–शास्त्र : सिद्धान्त और वाद : सम्पादक–डॉ॰ नगेन्द्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।

9 पाश्चात्य काव्य–शास्त्र : दृष्टि और दर्शन : डॉ॰ पुष्पा बंसल, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली ।

10 समीक्षालोक : डॉ॰ भगीरथ दीक्षित, समुदाय प्रकाशन, बम्बई ।

11 नीति विज्ञान : डॉ॰ विद्या निवास मिश्र, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

12 शैली विज्ञान : डॉ॰ नगेन्द्र, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

13 संस्कृत काव्य शास्त्र : कोण और दिशाएँ : डॉ॰ पुष्पा बंसल, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली ।

<u>निर्देश –</u>

1 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को कोई चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

2 आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किन्हीं दो निर्धारित विषयों पर आलेख एवं एक सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए 10–10 अंक निर्धारित हैं ।

एम॰फिल॰ प्रथम सेमेस्टर/पीएच॰डी॰ कोर्स वर्क

तृतीय प्रश्न पत्र

स्त्री विमर्श

20HNDMP11C3 **क्रेडिट : 4**

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100 आंतरिक
मूल्यांकन परीक्षा : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. पितृसत्तात्मक व्यवस्था के स्वरूप की पड़ताल करना।
CO 2. भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ में स्त्री मुक्ति आंदोलन के उद्भव–विकास को जानना। साहित्य की स्त्री दृष्टि से परिचित होना।
CO 3. स्त्री एवं पुरुष रचनाकारों की रचनाओं का स्त्रीवादी पाठ। सामाजिक संख्याओं का पुनरीक्षण कर सकने की संवेदना विकसित होना।
CO 4. दलित स्त्री अस्मिता के संघर्ष में वैश्विक परिदृश्य में देख पाना। साहित्य में ओझल कर दी गई स्त्री दृष्टि को देख पाना।
CO 5. साहित्य का पुनर्मूल्यांकन करने की संवेदना और दृष्टि अर्जित करना।

पाठ्य विषय

खंड क

स्त्री विमर्श का सैद्धांतिक पक्ष

- स्त्री विमर्श और स्त्री अस्मिता का अध्ययन
- पितृसत्तात्मक समाज व्यवस्था और स्त्री–प्रश्न
- स्त्री–मुक्ति आंदोलनः
  भारतीय परिप्रेक्ष्य : भारतीय नवजागरण और स्त्री–प्रश्न, राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और स्त्री–प्रश्न, स्वतंत्र भारत में स्त्री–आंदोलन
  पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य : उदारवादी संप्रदाय, समाजवैज्ञानिक संप्रदाय, मनोवैज्ञानिक संप्रदाय, उग्रउन्मूलनवादी संप्रदाय, उत्तरआधुनिक चिंतन एवं स्त्रीवाद
- स्त्री संबंधी कानूनी प्रावधान

खंड ख

प्रमुख स्त्रीवादी चिंतक एवं उनकी रचनाएं

- अपना कमरा : वर्जीनिया वुल्फ
- स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बउवा
- सीमंतनी उपदेश : अज्ञात हिंदू महिला
- हिंदू स्त्री का जीवन : पं॰ रमाबाई

खंड ग

हिंदी का स्त्री लेखन और स्त्री विमर्श

- स्त्री–लेखन की परंपरा : मध्यकाल तक
- स्त्री लेखन की परंपरा : आधुनिक काल से अद्यतन
- साहित्य की स्त्री दृष्टि

खंड घ

- मीरांबाई : हिंदी की पहली स्त्रीविमर्शकार
- 'श्रृंखला की कड़ियां' में निरूपित स्त्री प्रश्न
- कठगुलाब के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रणः स्मिता, नीरजा, नर्मदा, असीमा, दर्जिन बीबी और विपिन
- 'अन्या से अनन्या' में उभरती स्त्री छवि
- पुरुष रचनाकारों की स्त्री–दृष्टि : 'गोदान', 'त्यागपत्र'

सहायक पुस्तकें

1 स्त्री अधिकारों का औचित्य, मेरी वोल्स्टनक्राफ्ट, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

2 स्त्रियों की पराधीनता, जे॰एस॰ मिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

3 अपना कमरा, वर्जीनिया वुल्फ, संवाद प्रकाशन, मेरठ ।

4 स्त्री उपेक्षिता, सीमोन बोउवार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

5 विद्रोही स्त्री, जर्मेन ग्रीयर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

6 द ऑरिजन ऑफ फैमिली फ्रेडरिक एंगिल्स, प्राइवेट प्रॉपर्टी एंड स्टेट

7 स्त्रीत्व का मानचित्रा अनामिका, सामयिक प्रकाशन

8 दुर्ग द्वार पर दस्तक, कात्यायनी, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ ।

9 परिधि पर स्त्री, मृणाल पांडे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

10 उपनिवेश में स्त्री, प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

11 साहित्य का स्त्री–स्वर , रोहिणी अग्रवाल

12 हिंदी उपन्यास का स्त्री–पाठ, रोहिणी अग्रवाल

13 साहित्य की जमीन और स्त्री–मन के उच्छ्वास, रोहिणी अग्रवाल

14 हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ॰ लालचंद गुप्त 'मंगल', हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

15 जब स्त्रियों ने इतिहास रचा, कुसुम त्रिपाठी

निर्देश

1 पहले दो खंडें में से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कम से कम एक प्रश्न अवश्य करना होगा। तीसरे एवं चौथे खंड में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

2 आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किन्हीं दो निर्धारित विषयों पर दो शोध–पत्र एवं एक सेमिनार प्रस्तुत करना होगा। दोनों के लिए 10–10 अंक निर्धारित हैं।

एम॰ फिल॰ हिंदी : द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

हिन्दी आलोचना

20HNDMP12C1 **क्रेडिट : 2**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 10 अंक

लिखित परीक्षा : 40 अंक

Course Outcomes

CO 1. आलोचना की अस्मिता का ज्ञान।

CO 2. मध्यकालीन आलोचना की सैद्धांतिकी का परिचय।

CO 3. आधुनिक काल में आलोचना के बदलते प्रतिमानों और संप्रदायों का ज्ञान। विमर्शमूलक आलोचना की सैद्धांतिकी का ज्ञान।

CO 4. स्वतंत्र विधा के रूप में हिन्दी आलोचना की अस्मिता को जानना। रीतिकालीन कवियों के आचार्यत्व की परंपरा से परिचित होना।

CO 5. रसवादी आलोचना एवं मार्क्सवादी आलोचना के जरिए आधुनिक युगीन आलोचना की परंपरा को समझना। स्त्री आलोचना एवं दलित आलोचना की जरूरतों को समझना।

खंड – क

1 हिंदी आलोचना की अस्मिता

2 रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व
प्रमुख आचार्य–केशवदास, देव, मतिराम, भूषण, भिखारी दास

3 रसवादी आलोचना : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नंददुलारे वाजपेयी, नगेन्द्र

4 छायावादी कवियों का साहित्य चिंतन : प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी वर्मा

खंड – ख

5 मार्क्सवादी आलोचना और डॉ॰ रामविलास शर्मा

6 मानवतावादी आलोचना और आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

7 हिंदी के समकालीन आलोचक : अज्ञेय, मुक्तिबोध, नामवर सिंह

8 हिंदी की समकालीन आलोचना पद्धतियाँ : स्त्रीवादी आलोचना, दलित आलोचना

संदर्भ–ग्रन्थ

1 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या/रामस्वरूप चतुर्वेदी/लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना/रामविलास शर्मा/राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

3 काव्यकला तथा अन्य निबन्ध/जयशंकर प्रसाद/प्रसाद प्रकाशन मंदिर, वाराणसी ।

4 कवि–दृष्टि/अज्ञेय, सं॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी/लोकभारती, इलाहाबाद ।

5 कविता के नए प्रतिमान/नामवर सिंह/राजकमल प्रकाश, नई दिल्ली ।

6 कामायनी का पुनर्मूल्यांकन/रामस्वरूप चतुर्वेदी/लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

7 दूसरी परम्परा की खोज/नामवर सिंह/राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

8 रामचन्द्र शुक्ल/मलयज/राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

9 रामचन्द्र शुक्ल संचयन/सं॰ नामवर सिंह/साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

10 रामचन्द्र शुक्ल–आलोचना का अर्थ : अर्थ की आलोचना/रामस्वरूप चतुर्वेदी/लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

11 वाद–विवाद–संवाद/नामवर सिंह/राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

12 साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबन्ध/महादेवी वर्मा/लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

13 हिंदी आलोचना के सैद्धांतिक आधार/ कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

14 हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास/भागीरथ मिश्र/हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

15 हिंदी आलोचना/विश्वनाथ त्रिपाठी/राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

16 हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी/निर्मला जैन/राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

<u>निर्देश</u>

1 पूरे पाठ्यक्रम में से प्रत्येक खंड में से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से चार प्रश्न टिप्पणी के रूप में पूछे जायेंगे जिनमे से परीक्षार्थी को किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखी होगी। जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

3 आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किन्हीं दो निर्धारित विषयों पर आलेख एवं एक सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए 5–5 अंक निर्धारित हैं ।

एम॰ फिल॰ हिंदी : द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिंदी साहित्य की वैचारिक पीठिका

20HNDMP12C2 **क्रेडिट : 4**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. एम॰फिल॰, पीएच॰डी॰ कोर्स वर्क, के विद्यार्थियों के चिन्तन को समुन्नत करना उनकी वैचारिकता को स्थूल से सूक्ष्म की ओर ले जाना ही इस प्रश्न पत्र का मूल लक्ष्य है।

CO 2. भारतीय जीवन दृष्टियों से परिचित करवाना है।

CO 3. भारतीय इतिहास और इतिहास में घटित परिवर्तन से वैचारिकता अथवा दर्शन में भी परिवर्तन घटित होते हैं। विद्यार्थी उन परिवर्तनों का, परिवर्तन के कारणों का विधिवत् अध्ययन करते हैं।

CO 4. पाश्चात्य दर्शनों यथा साम्यवाद, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद, संरचनावाद आदि का भी अध्ययन किया जाता है। पाश्चात्य विचारकों का हमारे आधुनिक और उत्तर आधुनिक साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा इसका अध्ययन भी किया जाता है।

खंड क

मध्ययुगीन बोध : विविध पक्ष

1 मध्ययुगीनता की अवधारणा

2 मध्ययुगीन बोध का पृष्ठाधार : सामाजिक एवं दार्शनिक चिंतन

3 पुनर्जागरण और हिंदी लोक जागरण

खंड ख

4 आधुनिक बोध और मध्ययुगीन बोध : साम्य–वैषम्य

5 आधुनिक बोध का स्वरूप

6 आधुनिक बोध और औद्योगिक संस्कृति

7 राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के संदर्भ में अरविंद, गांधी और अंबेडकर का चिंतन

खंड ग

विविध चिंतन धाराएं

1 मार्क्सवाद

2 मनोविश्लेषणवाद

3 अस्तित्ववाद

4 यथार्थवाद

खंड घ

5 संरचनावाद

6 उत्तरसंरचनावाद

7 विखंडन

सहायक पुस्तकें

1	हिंदी साहित्य का इतिहास	डॉ॰ रामचन्द्र शुक्ल
2	हिंदी साहित्य की भूमिका	डॉ॰ हजारी प्रसाद द्विवेदी
3	हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	डॉ॰ गणपतिचन्द्रगुप्त
4	हिंदी साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि	डॉ॰ शंभूनाथ सिंह
5	हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	डॉ॰ लाल चंद गुप्त 'मंगल'

6 साहित्यिक शोध के आयाम–डॉ॰ शशि भूषण सिंहल, आर्य बुक डिपो, करोल बाग, नई दिल्ली ।

7 शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि–डॉ॰ बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन ऑफ इण्डिया लिमि॰ दिल्ली ।

8 संभावना पत्रिका (शोध विशेषांक) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र ।

9 अनुसंधान–सत्येन्द्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।

10 शोध–प्रविधि, डॉ॰ विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

11 शोध–प्रविधि, डॉ॰ हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला ।

<u>निर्देश :</u>

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खण्ड में से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को एक–एक प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

2 आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किन्हीं दो निर्धारित विषयों पर आलेख एवं एक सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए 10–10 अंक निर्धारित हैं ।

एम॰ फिल॰ हिंदी : द्वितीय सेमेस्टर
लघु शोध प्रबन्ध
20HNDMP12C3

लघु शोध प्रबन्ध : 6
मौखिकी : 2
कुल क्रेडिट : 8

Course Outcomes

CO 1. शोध प्रबन्धिका के माध्यम से शोध पद्धति का व्यवहारिक ज्ञान करवाया जाता है।

CO 2. शोध प्रबन्धिका शोध का लघु रूप है विषय चयन, रूपरेखा निर्माण, उद्धरण पद्धति, साक्ष्यों का शोध में उपयोग तथा निष्कर्ष समाहार की पद्धति के सैद्धान्तिक ज्ञान को व्यवहार में कैसे लाना है इसका पूर्ण ज्ञान करवाया जाता है।

CO 3. विभिन्न शोध प्रकारों – साहित्यिक, लोक साहित्यिक, अन्तरविद्यावर्ती आदि से व्यवहार में विद्यार्थियों को परिचित करवाया जाता है।

परीक्षार्थी को विभागीय समिति द्वारा आवंटित किए गए शोध–विषय पर सौ (100) टंकित पृष्ठों का लघु शोध प्रबन्ध शोध निर्देशक के निर्देशन में लिखना होगा । लघु शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन दो चरणों में होगा । प्रथम चरण में लघु शोध प्रबन्ध का बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा तथा द्वितीय चरण में बाह्य परीक्षक द्वारा विभागीय समिति के समक्ष मौखिकी परीक्षा होगी । यह प्रश्नपत्र 200 अंक का होगा । लघु शोध–प्रबंध के मूल्यांकन हेतु 150 अंक तथा मैखिकी परीक्षा हेतु 50 अंक निर्धारित हैं ।